

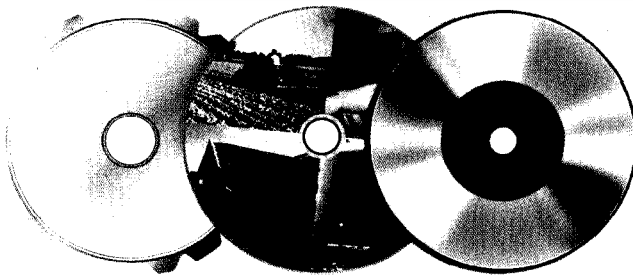
# वार्षिक रिपोर्ट

## ANNUAL REPORT

### 2003 - 04

वक्त के साथ कदम बढ़ाते हुए. ..  
*Moving with the times...*

Report Junction.com



**विजया बैंक**  
**VIJAYA BANK**  
(भारत सरकार का उपक्रम)  
(A Govt. of India Undertaking)

**आपका भरोसेमंद साथी**  
**A friend you can bank upon**



# निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS



श्री एम. एस. कपूर  
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

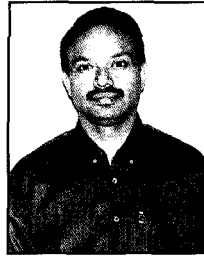
Shri. M.S. KAPUR  
Chairman & Managing Director



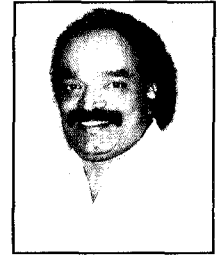
श्री आर. रंगनाथ  
Shri. R. RENGANATH



श्री के.आर. आनंदा  
Shri. K.R. ANANDA



श्री एम. किरण  
Shri. M. KIRAN



श्री बाबू सेठ टायरवाला  
Shri. BABUSETH TYREWALA



श्रीमती सुखदा मिश्रा  
Smt. SUKHDA MISHRA



श्री पवन कुमार शर्मा  
Shri. PAWAN KUMAR SHARMA

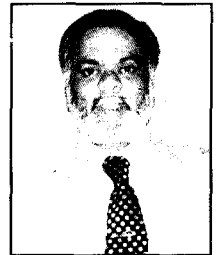


श्री प्रेम सेठी  
कार्यकारी निदेशक

Shri. P.A. SETHI  
Executive Director



श्री एस. अनंतन  
Shri. S. ANANTHAN



श्री आर. अशोक कुमार  
Shri. R. ASHOK KUMAR



श्री बी.के. जगदीश चन्द्र  
Shri. B.K. JAGADISH CHANDRA



श्री एस. पी. कृष्ण स्वामी  
Shri. S.P. KRISHNA SWAMY



## विषय-वस्तु CONTENTS

	पृष्ठ सं. PAGE No.	
निष्पादन वैशिष्ट्य 2003-04	2	Performance Highlights 2003-04
प्रगति की एक झलक	3	Progress at a Glance
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक की कलम से	4	From the Chairman & Managing Director
सूचना व नोट्स	8	Notice & Notes
निदेशकों की रिपोर्ट	16	Directors' Report
कंपनी शासन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	44	Report of the Board of Directors on Corporate Governance
कंपनी शासन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र	64	Auditors' Certificate on Corporate Governance
निष्पादन वैशिष्ट्य – ग्राफ	66	Performance Highlights – Graphs
प्रमुख लेखा नीतियां	67	Principal Accounting Policies
तुलन-पत्र व लाभ-हानि लेखा	74	Balance Sheet and Profit & Loss Account
तुलन-पत्र व लाभ-हानि लेखा के साथ संलग्न अनुसूचियां	76	Schedules to Balance Sheet and Profit & Loss Account
लेखों पर टिप्पणियां	84	Notes on Accounts
नकदी प्रवाह विवरण	98	Cash Flow Statement
भारत के राष्ट्रपति को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	101	Auditors' Report to the President of India
वी-बैंक आवास वित्त लि. के वित्तीय विवरण	104	Financial Statements of VIBank Housing Finance Ltd.
वी-बैंक आवास वित्त लि. के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	117	Auditors' Report of VIBank Housing Finance Ltd.
समेकित तुलन-पत्र, लाभ-हानि लेखा व अनुसूचियां	122	Consolidated Balance Sheet, Profit & Loss Account and Schedules
समेकित लेखों पर संगत प्रमुख लेखा नीतियां	137	Relevant Principal Accounting Policies on the Consolidated Accounts
समेकित खातों से जुड़े हुए लेखों पर संबंधित टिप्पणियां	142	Relevant Notes on Accounts to the Consolidated Accounts
समेकित नकदी प्रवाह विवरण	148	Consolidated Cash Flow Statement
समेकित विवरणों पर भारत के राष्ट्रपति को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	151	Auditors' Report to the President of India on Consolidated Financial Statement
बचत बैंक खाता खोलने का फार्म	153	S.B. Account opening Form
प्रॉक्सी फार्म	155	Proxy Form

### लेखा परीक्षक Auditors

मेसर्स एस. पी. मारवाहा एण्ड कं., नई दिल्ली  
M/s. S. P. Marwaha & Co., New Delhi

मेसर्स डी. वी. रमण राव एण्ड कं., हैदराबाद  
M/s. D. V. Ramana Rao & Co., Hyderabad

मेसर्स राजू एण्ड प्रसाद, हैदराबाद  
M/s. Raju & Prasad, Hyderabad

मेसर्स पटेल मोहन रमेश एण्ड कंपनी, बेंगलूर  
M/s. Patel Mohan Ramesh & Co., Bangalore

मेसर्स यू. नरैन एण्ड कंपनी, राँची  
M/s. U. Narain & Co., Ranchi

मेसर्स मेहता एण्ड कंपनी, जयपुर  
M/s. Mehta & Company, Jaipur

### रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट Registrar & Share Transfer Agent

मेसर्स एम. सी. एस. लिमिटेड  
ईकाई - विजया बैंक, श्री वेंकटेश भवन  
प्लॉट सं. 27, रोड सं. 11, एमआईडीसी एरिया  
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 093

फोन: 022-2835 0458 फैक्स: 022-28350456

M/s. M. C. S. Limited  
Unit: Vijaya Bank  
Shri Venkatesh Bhavan  
Plot No. 27, Road No. 11, MIDC Area  
Andheri (East), Mumbai - 400 093  
Phone : 022-28350458 Fax : 022-28350456

## विजया बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय

41/2, एम.जी. रोड, बेंगलूर - 560 001

फोन : 080-2558 4066 (20 लाइन्स) फैक्स : 080- 2559 8040

वेबसाइट: www.vijayabank.com

ई-मेल: vijbank@vsnl.com

## VIJAYA BANK

(A Govt. of India Undertaking)

Head Office

41/2, M.G. Road, Bangalore - 560 001

Phone : 080-2558 4066 [ 20 Lines] Fax : 080 - 2559 8040

Website: www.vijayabank.com

E-mail: vijbank@vsnl.com



## निष्पादन वैशिष्ट्य – 2003-04

### लाभ

- कुल लाभ में, 100% की वृद्धि हासिल करते हुए 432.36 करोड़ रु. से 865.64 करोड़ रु. तक इजाफा हुआ.
- निवल लाभ में 109.25% की वृद्धि अंकित करते हुए 196.56 करोड़ रु. से 411.31 करोड़ रु. तक उन्नति हुई.

### पूंजी पर्याप्तता अनुपात

- पूंजी पर्याप्तता अनुपात में 12.66% से 14.11% तक सुधार हुआ, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के 9% के मानदंड की तुलना में, काफी अधिक है.

### कारोबार में वृद्धि

- कुल कारोबार 30000 करोड़ रु. पार कर गया जो 28.35% की वृद्धि अभिलिखित करते हुए, 32350 करोड़ रु. रहा.

### जमा संग्रहण

- कुल जमा राशियों में 23.47% की बढ़त हासिल करते हुए 17020 करोड़ रु. से 21015 करोड़ रु. तक सुधार हुआ.
- जमा लागत का अनुपात, 6.58% से 5.74% तक गिरा.

### ऋण विस्तार

- कुल अग्रिम में 38.5% की बढ़त हुई जो 8184 करोड़ रु. से 11335 करोड़ तक बढ़ा.
- फुटकर उधार योजनाओं के अंतर्गत संवितरण में 112% की वृद्धि हासिल करते हुए 2002-03 के 1333 करोड़ रु. से 2822 करोड़ तक उन्नत हुई.

### प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम

- प्राथमिकता क्षेत्र ऋण का प्रतिशत, निवल ऋण की तुलना में 45.50% रहा, जब कि पिछले वर्ष यह प्रतिशत 44% रहा.
- कृषि अग्रिमों में 21.7% की आकर्षक बढ़त हासिल करते हुए 1181.25 करोड़ रु. से 1437.43 करोड़ तक सुधार हुआ.

### गैर-निष्पादक आस्तिधां

- कुल अग्रिमों की तुलना में कुल एनपीए के प्रतिशत में 6.18% से 3.44% तक गिरावट आई.
- निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए के प्रतिशत में 2.61% से 0.91% तक काफी अवनति हुई.
- कवरेज अनुपात में 57.45% से 73.50% तक सुधार हुआ.

### कंप्यूटरीकरण

- कंप्यूटरीकृत शाखाओं में किए गए कुल कारोबार में 78.26% से 82% तक बढ़त हुई.

### आंतरिक लेखा कार्य

- सभी शाखाओं ने अपनी लेखा बहियों का संतुलन किया. 30.11.2003 तक की सभी अंतर-शाखा प्रविष्टियां हटाई गई.

## Performance Highlights – 2003-04

### Profit

- Gross Profit improved from Rs. 432.36 crore to Rs. 865.64 crore, recording 100% increase.
- Net Profit improved from Rs. 196.56 crore to Rs. 411.31 crore recording 109.25% increase.

### Capital Adequacy Ratio

- The Capital Adequacy Ratio improved from 12.66% to 14.11% and is well above the RBI stipulation of 9%.

### Business Growth

- Total business crossed Rs. 30000 crore mark and stood at Rs. 32350 crore, recording 28.35% increase.

### Deposit Mobilisation

- Total deposits grew by 23.47% from Rs. 17020 crore to Rs. 21015 crore.
- Cost of Deposits declined from 6.58% to 5.74%

### Credit Expansion

- Gross advances grew by 38.5%, from Rs. 8184 crore to Rs. 11335 crore.
- Disbursements under retail lending schemes amounted to Rs. 2822 crore as compared to Rs. 1333 crore in 2002-03, recording 112% increase.

### Priority Sector Credit

- Priority Sector Credit constituted 45.50% of net credit, as against 44% a year ago.
- Agricultural advances recorded impressive 21.7% increase, from Rs. 1181.25 crore to Rs. 1437.43 crore.

### Non-performing Assets

- The percentage of Gross NPAs to Gross advances declined from 6.18% to 3.44%.
- The percentage of net NPAs to net advances declined steeply from 2.61% to 0.91%.
- The coverage ratio improved from 57.45% to 73.50%.

### Computerisation

- The coverage of computerised branches in total business improved from 78.26% to 82%.

### House Keeping

- All branches balanced their books of accounts. All inter-branch entries upto 30.11.2003 eliminated.



## प्रगति की एक झलक/ PROGRESS AT A GLANCE

(रुपए करोड़ों में)  
[Rupees in Crore]

	2001-02	2002-03	2003-04
शाखाओं की संख्या/No. of Branches	828	843	866
पूंजी/Capital	333.52	333.52	433.52
आरक्षित और अधिशेष/Reserves & Surplus	329.51	477.75	902.02
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)/Capital Adequacy Ratio (%)	12.25	12.66	14.11
कुल लाभ/Gross Profit	252.51	432.36	865.64
निवल लाभ/Net Profit	130.90	196.56	411.31
कुल जमा राशियां/Total Deposits	14680.51	17019.81	21015.05
% वृद्धि/% Increase	16.20	15.90	23.47
कुल अग्रिम/Gross Credit	6417.10	8183.99	11335.05
% वृद्धि/% Increase	7.90	27.50	38.50
कुल कारोबार/Total Business	21097.61	25203.80	32350.10
% वृद्धि/% Increase	13.50	19.50	28.35
निवेश/Investments	7360.73	8861.61	10836.99
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम/Advances to Priority Sector	2349.74	3111.99	4776.73
निवल ऋण के प्रति %/% to Net Credit	41.20	44.00	45.50
निर्यात ऋण/Export Credit	420.50	592.70	852.33
कुल कर्मचारी/Total Staff	11827	11723	11624
प्रति कर्मचारी औसत कारोबार/Average Business per Employee	1.69	1.94	2.49
कंप्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या/No of Computerised Branches	338	356	462
कंप्यूटरीकृत शाखाओं में किया गया कारोबार (%)/Coverage of Computerised Branches (%)	76.73	78.26	82.00





## अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक की कलम से

प्रिय शेयरधारक,

आपके सामने, वर्ष 2003-04 के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट पेश करने में मुझे बड़ी खुशी हो रही है। हम सब इसलिए खुश हैं कि आपके बैंक ने, महत्वपूर्ण परिचालन क्षेत्रों में बेहतरीन परिणाम निकाले हैं, जिसके ब्यौरे वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए हैं। उत्कर्ष हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाते-बढ़ाते, हमने काफी प्रशंसनीय प्रदर्शन किया है जिसका सबूत है, 865.64 करोड़ रु. का परिचालन लाभ और 411.31 करोड़ रु. का निवल लाभ जो, बैंक के इतिहास में, 72 वर्ष से अधिक अस्तित्व में अब तक की सर्वाधिक उपलब्धि रही है। इस शानदार निष्पादन के साथ, आपका बैंक, बैंकिंग उद्योग में न केवल सबसे आगे निकल गया है बल्कि पथ प्रदर्शक भी बन गया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, हमारे द्वितीय सार्वजनिक पूंजी निर्गम के लिए निवेशकर्ताओं से असाधारण प्रतिक्रिया मिली और उसकी कामयाबी इस बात से आंकी जा सकती है कि पूंजी निर्गम, 6.25 लाख आवेदनकर्ताओं के जरिए 17 से अधिक गुना अत्यभिदत्त हुआ, जो आपके बैंक में निवेशकर्ताओं के भरोसे का दिल खोलकर बयान करता है। मैं यह बताना चाहूंगा कि तब से, आपके बैंक के शेयरों का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है जो लगातार बढ़ने की प्रवृत्ति दर्शा रहा है और शेयरधारकों की तिजोरी भर रहा है। वास्तव में, विजया बैंक के शेयरों ने, हमारे दूसरे पूंजी निर्गम की पेशकश के बाद बहुत ही कम समय में कई दूसरे बैंकों के शेयरों को पछाड़ दिया है जो बाजार में हमारे शेयरों के प्रति बेहद झुकाव दर्शाता है।

वर्ष 2003-04 में, सकारात्मक समष्टि आर्थिक वातावरण बना रहा जैसे; पूंजी बाजार की गतिविधियों में जोरदार कारोबार, विदेशी मुद्रा निधि का बेइंतहा अंतर्वाह जिससे 105 अरब डॉलर जम गया और 8% के करीब सुदृढ़ जीडीपी वृद्धि हासिल हुई। प्रौद्योगिकी और ग्राहक उन्मुख दृष्टिकोण, बैंकों की भावी कारोबार रणनीतियां तय कर रही हैं। नतीजतन, बैंकों को ग्राहकों को प्रदान की जाती रहीं सेवाओं के अलावा

## FROM THE CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to place before you, the Annual Report of your Bank for the year 2003-04. We are all jubilant for the reason that your Bank has posted excellent results in key operational areas, details of which are presented in the Annual Report. In our pursuit for excellence, we have performed creditably as the year bears testimony to the all time high Operating Profit of Rs. 865.64 Crore and Net Profit of Rs. 411.31 Crore in the Bank's history, since its existence of more than 72 years. With this splendid performance, your Bank has not only emerged as a front-runner but also became trend setter in the banking industry.

During the year under review, our follow-on public offer received an overwhelming response from the investors and its success can be gauged from the fact that the issue was over-subscribed more than 17 times through 6.25 lakhs applications, which speaks volumes of investor confidence in your Bank. I would like to mention that since then, your bank's scrip has been performing very well and has shown an uptrend consistently thereby improving shareholders wealth. In fact, Vijaya Bank's scrip has outperformed many other banking scrips within the short span since our follow-on offer, indicating strong market preference.

The year 2003-04 witnessed positive macro economic environment like brisk business in the capital market activities, massive inflow of foreign exchange funds building up to over 105 billion dollar and stable GDP growth at around 8%. Technology and customer centric approach are shaping the future business strategies of banks prompting innovation and value addition to the



नई किस्म की और मूल्य वर्धित सेवाएं जोड़ना पड़ रहा है। फलस्वरूप, इस समय, भारत की अर्थव्यवस्था, अधिकतर विकसित देशों के मुकाबले काफी तेजी से तरक्की कर रही है।

आगे, चूंकि अर्थव्यवस्था, धीरे-धीरे वैश्वीकरण की ओर कदम बढ़ा रही है, इसलिए, प्रबंधन से जुड़े हुए मूल्यों की तरफ झुकाव साफ नजर आ रहा है जैसे; कंपनी शासन, प्रकटन संबंधी मानदंड और अंतर्राष्ट्रीय मान और बेहतरीन परिपाटी अपनाना। बैंकिंग क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, दक्ष जोखिम प्रबंधन। इस दिशा में, सुझाई गई समय सीमा के अंदर, जब कभी अंतिम रूप दिया जाए, बीएसईएल II मानदंड लागू करने के लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं। नई पूंजी सहमति II के अंतर्गत, भारत में बैंकों की पूंजी अपेक्षाएं काफी हद तक बढ़ जाएंगी। वक्त की मांग है, प्रौद्योगिकी के जरिए लागत प्रभावी बैंकिंग प्रणाली को अपनाना। परिष्करण करते-करते जोखिम के साथ काफी पैनेपन से पूंजी को जोड़ने से बैंक की क्षमता बढ़ती जाती है। इसके लिए, स्वचालन, कस्टमाइज़ेशन, केंद्रीकरण और सॉफ्टवेयर समर्थन की जरूरत होती है। इस बात को पहचानते हुए, आपके बैंक ने प्रौद्योगिकी में काफी पूंजी लगाई है।

शाखाओं के कंप्यूटरीकरण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और काफी व्यापक पैमाने पर, बैंक की 450 से अधिक शाखाओं को या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से कंप्यूटरीकरण किया गया है। कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) के अंतर्गत 360 शाखाओं को आपस में जोड़ने का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, कार्यान्वयन के अंतिम चरण में है। वितरण के वैकल्पिक माध्यम विकसित करने की दिशा में, आपका बैंक, विभिन्न केंद्रों में 125 एटीएम लगाना चाहता है और दूसरे बैंकों के एटीएम जाल के साथ ताल-मेल व्यवस्था भी की गई है। इससे हमारे ग्राहक, किसी भी समय कहीं भी अपना कारोबार कर सकेंगे। बैंक के कारोबार में 28.35% की वृद्धि हुई है जो 32,350 करोड़ रु. तक पहुंचा। जमा राशियों में वृद्धि, 23.47% रही जो 21015.05 करोड़ रु. तक बढ़ा और अग्रिमों में 38.50% तक बढ़त हासिल की गई जो 11335.05 करोड़ रु. के स्तर तक पहुंचा। इस समय, हमारा आवास ऋण, उद्योग में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धात्मक है। बैंक, अपनी विभिन्न प्रकार की योजनाओं के अंतर्गत कीमत निर्धारित करने में अग्रणी रहा है। इन परिस्थितियों में भी, बैंक, एनआईएम (निवल ब्याज मार्जिन) को 3.54% से 3.68% तक बढ़ाने में कामयाब हुआ है। बैंक ने, प्राथमिकता क्षेत्रों को उधार देने के छोर पर भी अच्छा काम किया है। प्राथमिकता क्षेत्र ऋण का प्रतिशत, 40% के मानदंड के मुकाबले, निवल ऋण का 44.95% बनता है। आस्ति की गुणवत्ता बनाए रखने में बैंक का निष्पादन उल्लेखनीय रहा। कुल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए का प्रतिशत, 6.18% से 3.44% तक घटा और निवल अग्रिमों के मुकाबले निवल एनपीए के प्रतिशत में काफी हद तक अवनति, यानी; 2.61% से

services rendered to the customers. As a result, presently Indian economy is growing faster than most of the developed economies.

Furthermore, there is a perceptible shift towards management driven by values in the form of Corporate Governance, disclosure norms and adoption of International Standards and Best Practices as the economy progresses towards globalisation. One of the major challenges that beckons the banking sector is the area of efficient risk management, where the banks are gearing up for the effective implementation of the BASEL II norms, within the suggested time frame, as and when finalised. Under the new capital accord II, the capital requirements for banks in India is likely to go up significantly. Cost effective banking methodology through technology is the order of the day. Banks ability to align capital closely with associated risk improves with increasing sophistication. This requires a high degree of automation, customization, centralization and software support. Recognizing this, your Bank has made significant investment in technology.

Computerisation of branches has been taken up on top priority and on a massive scale, as more than 450 branches of the bank have been computerized, either fully or partially. The ambitious programme of the Bank to inter-connect 360 branches under Core Banking Solutions (CBS) is in the advanced stage of implementation. Towards developing alternative channels of delivery, your Bank has proposed to install 125 ATMs at different locations and also tie-up arrangement with other banks' ATM network which will facilitate our customers to transact business from anywhere at any time.

The Business of the Bank grew by 28.35% to reach the level of Rs. 32,350 Crores with deposit growth of 23.47% to reach the level of Rs. 21015.05 Crores and growth in advances to the extent of 38.50% to reach Rs. 11335.05 Crores. As of now, our housing loan is by far the most competitive in the industry. The Bank has taken lead in setting prices under various categories of product. Even under these circumstances, the Bank has been able to enhance the (Net Interest margin) NIM from 3.54% to 3.68%. The Bank has also done well in lending to the priority sectors, with the percentage of priority sector credit working out to 44.95% of net credit as against the norm of 40%. The performance of the Bank in maintaining asset quality is noteworthy. The percentage of gross NPAs to gross advances declined



0.91% तक अवनति हुई. गैर-निष्पादक आस्तियों के खतरे का मुकाबला करने तथा निवल एनपीए स्तर को शून्य तक घटाने की दिशा में बैंक, प्रतिभूतीकरण अधिनियम, 2002 का फायदा उठाने की कोशिश करता रहा है.

2003-04 के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात, काफी हद तक यह सिद्ध करते हैं कि आपका बैंक मजबूत और सुदृढ़ है. आस्तियों पर प्रतिफल जैसे लाभप्रदता मापदंड में 1.13% से 1.91% तक सुधार हुआ और निवल मूल्यवत्ता पर प्रतिफल में 29.23% से 40.90% तक इजाफा हुआ जो बड़ी मात्रा में हासिल प्रतिफल को जाहिर करता है. बैंक के प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) में 5.89 रु. से 11.07 रु. तक बढ़त हुई और प्रति शेयर बही मूल्य, वर्ष के प्रारंभ में, 22.46 रु. से 29.30 रु. बढ़ा. समग्र लाभप्रदता स्थिति को ध्यान में रखते हुए, निदेशक मंडल ने, समीक्षाधीन वर्ष के लिए 10% के अंतरिम लाभांश सहित 25% का वित्तीय लाभांश देने की सिफारिश भी की है.

बैंक के पूंजी पर्याप्तता अनुपात में, 12.66% से 14.11% तक वृद्धि हुई जिससे कारोबार बढ़ाने की योजना के लिए काफी हद तक समर्थन मिलेगा.

फुटकर उधार देने पर अधिक बल देने और शुल्क आधारित आय बढ़ाने की दृष्टि से, आपके बैंक ने 2003-04 के दौरान, कई नई योजनाएं शुरू की. ऐसी नई पहल हैं:

- (क) नई फुटकर उधार योजनाएं जैसे; (i) वी-पेशेवर (ii) वी-बंधक (iii) वी-सोलार लाइटिंग (v) वी-सोलार हीटिंग.
- (ख) नेशनल इंशुरेंस कंपनी लि. के साथ की गई व्यवस्था के अनुरूप बीमा योजनाओं का वितरण.
- (ग) प्रिंसिपल फाइनांशियल ग्रुप, यूएसए के साथ की गई व्यवस्था के अनुरूप, म्यूचुअल फंड उत्पादों को बेचना.
- (घ) नकद प्रबंधन सेवाएं और निक्षेपागार सेवाएं शुरू करना.
- (ङ) ग्लोबल क्रेडिट कार्ड और नगर विशेष कार्ड.
- (च) 19 नई शाखाएं खोली गईं और 3 विस्तार काउंटरों तथा 1 अनुषंगी कार्यालय का दर्जा बढ़ाकर पूर्ण रूपेण शाखाएं बनाई गईं.
- (छ) हमारे बैंक में विपणन ढांचा बनाया गया.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान की गई उक्त समस्त पहल और बड़े पैमाने पर विशेषज्ञ अधिकारियों की भर्ती से, बैंक के कारोबार की मात्रा बढ़ने की आशा है जो निस्संदेह बैंक को आनेवाले वर्षों में बड़ी ऊंचाइयों तक ले जाएगा.

आपके बैंक ने, उत्कृष्ट निष्पादन किया है और इसमें निरंतर सुधार करने के प्रति हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे. कड़ी प्रतिस्पर्धा और हमेशा बदलते हुए परिचालन के वातावरण के बीच, वर्ष 2003-04 के दौरान हासिल

from 6.18% to 3.44% and the percentage of net NPAs to net advances declined significantly from 2.61% to 0.91%. Efforts of the Bank are on to take the advantage of Securitisation Act, 2002 to combat the menace of non-performing assets and to bring down the net NPA level to NIL.

The key financial ratios for 2003-04 testify adequately the strength & soundness of your Bank. The profitability parameters like Return on Assets at 1.91% improving from 1.13% and Return on Net worth up from 29.23% to 40.90% speak volumes on the yield. The Earning Per Share (EPS) of the Bank has increased to Rs. 11.07, from Rs. 5.89 and the Book value per share has swelled to Rs. 29.30, from Rs. 22.46 at the beginning of the year. Keeping in view the overall profitability position; the Board of Directors has declared a dividend of 25% inclusive of 10% interim dividend for the year under review.

The Bank's Capital Adequacy Ratio has improved from 12.66% to 14.11% which will comfortably support our business expansion plan.

With a view to focus on retail lending and to augment the fee based income, your Bank has launched a number of new products/services during 2003-04. The new initiatives were:-

- (a) New retail lending products viz., (i) V-professional (ii) V-Mortgage (iii) V-Solar lighting (v) V-Solar Heating.
- (b) Distribution of insurance products in arrangement with National Insurance Company Limited.
- (c) Marketing Mutual Fund products in arrangement with Principal Financial Group, USA.
- (d) Introduction of Cash Management Services and Depository Services.
- (e) Global credit card and City specific cards.
- (f) Opened 19 new branches and upgraded 3 Extension Counters and 1 Satellite Office into full fledged branches.
- (g) Establishment of Marketing Set up.

All the above initiatives and recruitment of large scale specialist officers in the year under review, are expected to help the bank in improving its business volumes which will surely take the bank into greater heights in the years to come.

Your Bank has shown outstanding performance and it will be our constant endeavour to improve upon the





निष्पादन स्तर को बरकरार रखना, अपने आपमें एक चुनौतीपूर्ण काम है। लेकिन, मुझे विश्वास है कि बैंक, अपनी समुत्थान शक्ति और सहज मजबूती के सहारे, न केवल इस स्थिति को बरकरार रख पाएगा बल्कि चुनौतियों का सामना कर आनेवाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर एक उत्कृष्ट बैंक के रूप में उभरने का प्रयास करेगा।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

बेंगलूर  
22 अप्रैल, 2004

(एम.एस. कपूर)  
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

same. To sustain the performance levels achieved during the year 2003-04 would be a challenging task in the face of stiff competition and the ever changing operating environment. But, I am sure that the Bank with its resilience and inherent strength would be able to not only sustain the tempo, but also meet the challenges in the endeavour to become a prime national bank in the years ahead.

With warm regards,

Yours Sincerely,

Bangalore  
22<sup>nd</sup> April, 2004

[ M. S. KAPUR ]  
Chairman & Managing Director

Report  Junction.com



## विजया बैंक

प्रधान कार्यालय, 41/2, एम.जी.रोड, बेंगलूर - 560 001

### सूचना

यह नोटिस दी जाती है कि विजया बैंक के शेयरधारकों की चौथी वार्षिक सामान्य बैठक, बुधवार 16 जून, 2004 को प्रातः 11.30 बजे सभागृह, विजया बैंक, प्रधान कार्यालय, 41/2, एम.जी.रोड, बेंगलूर - 560 001 में आयोजित की जाएगी जिसमें नीचे उल्लिखित कारोबार किया जाएगा -

#### साधारण कारोबार

- 31.03.2004 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ-हानि लेखा एवं 31 मार्च, 2004 तक के बैंक के तुलन-पत्र पर विचार-विमर्श करना और उसे अंगीकार करना.
- लेखों से संबंधित अवधि के लिए बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करना और उसे अंगीकार करना.
- तुलन-पत्र और लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करना और उसे अंगीकार करना.



निदेशक मंडल के आदेश से

स्थान : बेंगलूर

दिनांक : 22.04.2004

के. गोपालकृष्णन नायर  
कंपनी सचिव

#### नोटः

##### 1. प्रॉक्सी की नियुक्ति:

बैठक में भाग लेकर वोट देने के हकदार शेयरधारक, खुद के बजाय बैठक में भाग लेकर वोट देने के लिए किसी प्रॉक्सी को नियुक्त करने का भी हकदार है और ऐसे प्रॉक्सी को बैंक के शेयरधारक होने की जरूरत नहीं है. प्रॉक्सी फार्म तभी प्रभावी होगा जब उसे बैठक की तारीख से कम से कम 4 दिन पहले अर्थात् शुक्रवार, 11 जून, 2004 को या उससे पहले समापन घंटे से पूर्व बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा/प्रस्तुत किया गया हो.

##### 2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की प्रतिनियुक्ति:

कोई भी व्यक्ति, किसी ऐसी कंपनी या कंपनी निकाय के, जो बैंक का शेयरधारक हो, विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में भाग लेने या वोट देने का तब तक हकदार नहीं होगा जब तक कि विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उसकी नियुक्ति करते हुए संकल्प की एक ऐसी प्रतिलिपि जिसे उस बैठक के अध्यक्ष ने, जिसमें उसे पारित किया गया हो, सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित किया हो, बैठक की तारीख से कम से कम 4 दिन पहले अर्थात् शुक्रवार, 11 जून, 2004 को या उससे पहले समापन घंटे से पूर्व बैंक के प्रधान कार्यालय में महा प्रबंधक, विजया बैंक, शेयर प्रभाग और निवेशकर्ता शिकायत कक्ष, प्रधान कार्यालय, 41/2, एम.जी.रोड, बेंगलूर - 560 001 में जमा न किया हो.

##### 3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पर्ची :

शेयर धारकों की सुविधा के लिए इस नोटिस के साथ उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पर्ची संलग्न की गयी है. शेयर धारकों/प्रॉक्सी धारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे संलग्न पर्ची भरें और उसमें निर्दिष्ट स्थान में अपने हस्ताक्षर कर उसे बैठक के स्थान में अभ्यर्पित करें. शेयर